बी0 ए0, खण्ड–।।
अर्थशास्त्र (सम्मान)
तृतीय पत्र

डॉ बिपिन कुमार
प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग,
राम रतन सिंह महाविद्यालय, मोकामा
पी0 पी0 यू0, पटना।
मो0–9430064013
ईमेल–kbipin29@yahoo. Com

प्रश्न– भारतीय जनसंख्या नीति का विस्तृत विश्लेषण करें एवं सरकारी नियंत्रण के उपायों को बतावें:–

उत्तर–जीव विज्ञान में विशेष प्रजाति के अंतः जीव प्रजनन के संग्रह को जनसंख्या कहते है। समाजशास्त्र में जनसंख्या को मनुष्यों के संग्रह को जनसंख्या के रूप में परिभाषित किया गया है। किसी भी क्षेत्र में, समय की किसी निश्चित अवधि के दौरान वहाँ बसे हुए लोगों की संख्या में परिवर्तन (बदलाव) होते रहता है– इसे ही सामान्य रूप से जनसंख्या वृद्धि कहा जाता है। यह घनात्मक (+) भी हो सकता है और ऋणात्मक (–) भी। आज देश में गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, प्रदुषण में, लगातार वृद्धि एंव सामाजिक, प्राकृतिक एंव बैज्ञानिक संसाधनों में कभी का मुख्य कारण देश में तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या को माना जाता है।

'स्टेट ऑफ वलर्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट–2019 हाल ही में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यानी UNFPA द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2010 से 2019 के बीच भारत की आबादी 1.2 प्रतिशत बढ़ी है जो चीन की सालाना वृद्धि दर से भी ज्यादा है।

1. वर्ष 2019 तक, भारत की जनसंख्या 1.36 विलियन से अधिक हो गई।
2. रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के पास प्रजनन और यौन अधिकार न होने के कारण उनके शिक्षा, आय और सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
3. इस रिपोर्ट में, महिलाओं और लड़कियों के संघर्ष और साथ ही उन पर जलवायु आपदाओं के कारण होनेवाली दिक्कतों पर भी प्रकाश डाला गया है।

स्वंतत्रता प्राप्ति के बाद भारत की जनसंख्या नीतिः– हमारा देश भारत दुनियाँ का ऐसा पहला देश है जिसने सर्वप्रथम 1952 में ही परिवार नियोजन कार्यक्रम को अपनाया। प्रथम पंचवर्षीय योजना में ही बढ़ती हुई जनसंख्या को देश के विकास में बड़ी बाधा के रूप में चिन्हित किया गया। उसी समय से विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में जनसंख्या नियंत्रण हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे हैः

1. सर्वप्रथम, भारत में जनसंख्या नीति बनाने का सुझाव वर्ष 1960 में एक विशेषज्ञ समूह द्वारा दिया गया।
2. वर्ष 1976 में प्रथम जनसंख्या नीति लागू की गयी जिस नीति में वर्ष 1981 में कुछ संशोधन (बदलाव) किया गया।
3. इस जनसंख्या नीति के तहत जन्म दर तथा जनसंख्या वृद्धि मे कमी लाना, शादी की न्यूनतम आयु (मे वृद्धि) निधारित करना, परिवार नियोजन को प्रोत्साहित करना और महिला शिक्षा पर विशेष बल देने की नीति बनाई गई।
4. इसके बाद फरवरी 2000 में सरकार ने राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (2000) की घोषणा की – यह नीति प्रो0 (डॉ0) एम0 एस0 स्वामीनाथन की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञों के प्रतिवेदन पर आधारित है।
5. इस जनसंख्या नीति का प्रमुख उद्देश्य प्रजनन तथा शिशु स्वास्थ्य की देख–भाल के लिए बेहतर सेवा तंत्र की स्थापना करना है। इसके साथ ही गर्भ निरोधकों और स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता पूरी करना है।

6. जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने के लिए भारत में वर्ष 1996 में काहिरा मॉडल लागू किया गया। जिसके तहत शिक्षा के द्वारा लोगों को छोटे परिवार के फायदो के प्रति जागरूक किया जाता है। इसमें किसी प्रकार का दवाब शामिल नहीं है– दुनिया में अभी यही फार्मूला लागू (प्रचलित) है। इस आयोग के अर्न्तगत, एक राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरता कोष, की स्थापना किया गया– बाद मे इस कोष को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया।

<u>भारतीय जनसंख्या (2011) की कुछ महत्वपूर्ण बातें:</u>

- कुल जनंसख्या (2011 में) :1210854977
- पुरूष एंव महिला जनसंख्या की हिस्सेदारी (क्रमशः) 51.47 प्रतिशत एंव 48:54 प्रतिशत
- 0–6 साल के बच्चों की हिस्सेदारी : 13.6 प्रतिशत
- दशकीय वृद्धि दरः 17.7 प्रतिशत
- वार्षिक वृद्धि दर : 1.64 प्रतिशत
- लिंगानुपात : 943: 1000
- कुल साक्षरता दर : 73 प्रतिशत
- पुरूष साक्षरता दर : 80.9 प्रतिशत
- महिला साक्षरता दर : 64.6 प्रतिशत
- जनसंख्या घनत्व (2011) : 382 प्रति वर्ग कि0 मी0
- जनसंख्या घनत्व (2001): 325 प्रति वर्ग कि0 मी0
- शिशु मृत्यु दर (2016) : 34.
- जन्म दर (2016) :20.4
- मृत्यु दर (2016) 6.4
- मातृ मृत्यु दर (2014–16) 130.
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य : उत्तर प्रदेश
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य : सिक्किम

चौथे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण यानी NFHS-4 2015-16 के ऑकड़ो के मुताबिक पहली बार भारत की कुल प्रजनन दर घटकर (TFR) 2.18 हो गई, जो कि वैश्विक प्रति स्थापन दर (2.30) से कम है। ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि अगले छहः सात वर्षो में भारत की जनसंख्या चीन की जनसंख्या से अधिक हो जाएगी। भारतवर्ष में जनसंख्या वृद्धि के कारण निम्नलिखित हैं:

1. परिवार नियोजन की कमी
2. अशिक्षा
3. बाल विवाह
4. गरीबी
5. धार्मिक कारण और रूढिवादिता
6. अवैध प्रवासी
7. जीवन प्रत्याशा मे वृद्धि
8. देश का गर्म जलवायु होना
9. जागरूकता का अभाव

भारत में जनसंख्या वृद्धि की समस्या के नियंत्रण के प्रमुख उपायः

1. परिवार नियोजन कार्यक्रम को मजबूती से लागू करना
2. विवाह के उम्र मे वृद्धि के नियमों का कठोरता से पालन
3. सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओ में सुधार
4. भूमि का समुचित उपयोग
5. समुचित औधोगिकरण
6. रोजगार, सृजन के उपाय
7. शिक्षा और जागरूकता की आवश्यकता की पूर्ति
8. महिला शिक्षा और जागरूकता पर विशेष बल
9. बेहतर सरकारी नीतियों को लागू करना एवं प्रचार–प्रसार करना

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर जनसंख्या वृद्धि, नीति, जनसंख्या वृद्धि के कारण एंव उसके निराकरण का वर्णन हो जाता है।